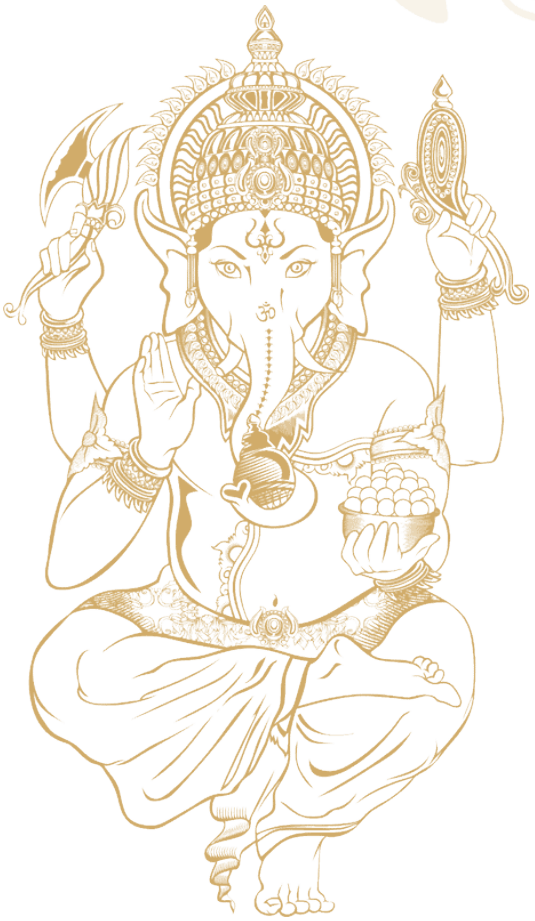

Tirsha

16 Apr 2007

03:27 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121927004

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**16/04/2007**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:27:00 घंटे**
इष्ट	23:48:43 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:05:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:04 घंटे
साम्पातिक काल	04:42:33 घंटे
सूर्योदय	05:55:30 घंटे
सूर्यास्त	18:47:07 घंटे
दिनमान	12:51:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	02:04:50 मेष
लग्न के अंश	19:01:03 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वैधृति
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:01:03	315:57:38	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मेष	02:04:50	00:58:45	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मीन	16:50:36	15:10:23	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	13:45:01	00:46:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध		अ	मीन	15:16:06	01:45:50	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	नीच राशि
गुरु	व		वृश्चि	25:39:04	00:01:56	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृष	11:05:16	01:09:51	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	स्वराशि
शनि	व		कर्क	24:12:26	00:00:23	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	21:37:35	00:03:28	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:37:35	00:03:28	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	22:58:33	00:02:51	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	27:40:14	00:01:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	04:56:39	00:00:29	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
दशम भाव			वृष	18:10:11	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:35

लग्न-चलित

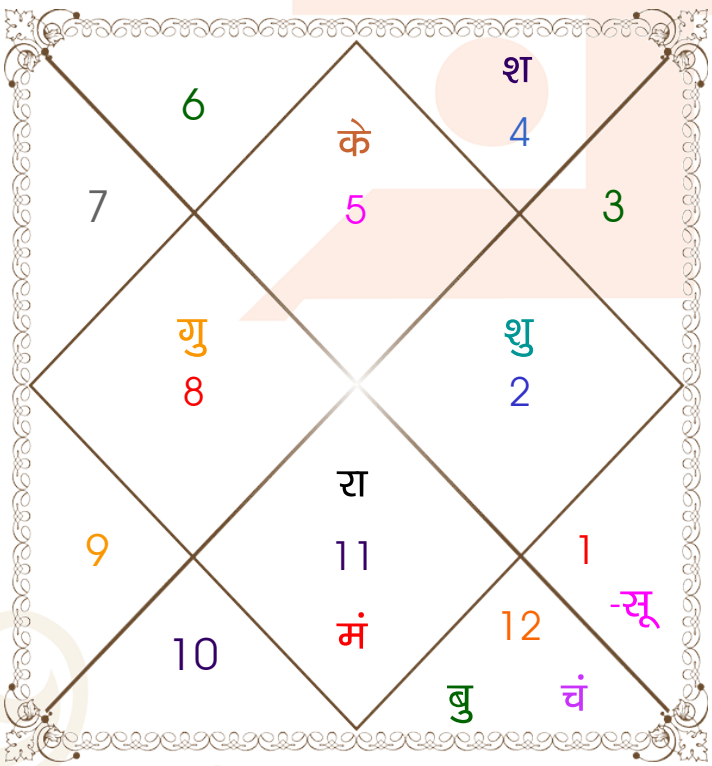

चन्द्र कुंडली

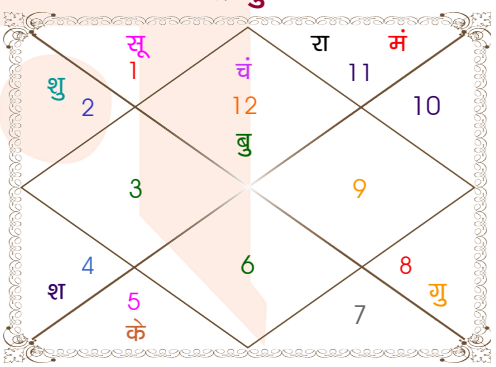

नवमांश कुंडली

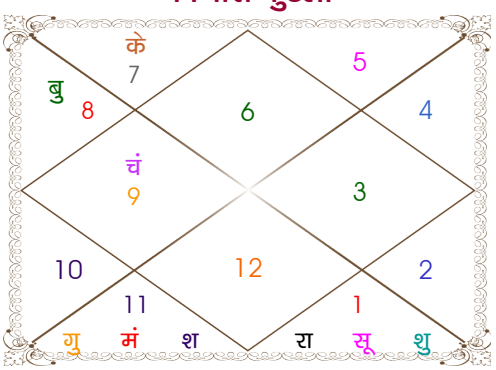

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 9 मास 9 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/04/2007		24/01/2024		24/01/2031		24/01/2051		23/01/2057	
24/01/2024		24/01/2031		24/01/2051		23/01/2057		24/01/2067	
बुध	22/06/2009	केतु	21/06/2024	शुक्र	25/05/2034	सूर्य	14/05/2051	चंद्र	24/11/2057
केतु	19/06/2010	शुक्र	21/08/2025	सूर्य	26/05/2035	चंद्र	12/11/2051	मंगल	25/06/2058
शुक्र	19/04/2013	सूर्य	27/12/2025	चंद्र	23/01/2037	मंगल	19/03/2052	राहु	25/12/2059
सूर्य	23/02/2014	चंद्र	28/07/2026	मंगल	26/03/2038	राहु	11/02/2053	गुरु	25/04/2061
चंद्र	26/07/2015	मंगल	24/12/2026	राहु	25/03/2041	गुरु	30/11/2053	शनि	24/11/2062
मंगल	22/07/2016	राहु	12/01/2028	गुरु	24/11/2043	शनि	12/11/2054	बुध	24/04/2064
राहु	08/02/2019	गुरु	18/12/2028	शनि	24/01/2047	बुध	18/09/2055	केतु	24/11/2064
गुरु	16/05/2021	शनि	27/01/2030	बुध	24/11/2049	केतु	24/01/2056	शुक्र	25/07/2066
शनि	24/01/2024	बुध	24/01/2031	केतु	24/01/2051	शुक्र	23/01/2057	सूर्य	24/01/2067

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
24/01/2067		24/01/2074		24/01/2092		25/01/2108		25/01/2127	
24/01/2074		24/01/2092		25/01/2108		25/01/2127		00/00/0000	
मंगल	22/06/2067	राहु	06/10/2076	गुरु	13/03/2094	शनि	28/01/2111	बुध	17/04/2127
राहु	10/07/2068	गुरु	01/03/2079	शनि	24/09/2096	बुध	07/10/2113		00/00/0000
गुरु	15/06/2069	शनि	05/01/2082	बुध	31/12/2098	केतु	16/11/2114		00/00/0000
शनि	25/07/2070	बुध	25/07/2084	केतु	06/12/2099	शुक्र	16/01/2118		00/00/0000
बुध	23/07/2071	केतु	12/08/2085	शुक्र	07/08/2102	सूर्य	29/12/2118		00/00/0000
केतु	19/12/2071	शुक्र	12/08/2088	सूर्य	27/05/2103	चंद्र	29/07/2120		00/00/0000
शुक्र	17/02/2073	सूर्य	07/07/2089	चंद्र	25/09/2104	मंगल	07/09/2121		00/00/0000
सूर्य	25/06/2073	चंद्र	06/01/2091	मंगल	01/09/2105	राहु	14/07/2124		00/00/0000
चंद्र	24/01/2074	मंगल	24/01/2092	राहु	25/01/2108	गुरु	25/01/2127		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 9 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि की विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगी। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगी। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगी। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाली, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाली, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगी। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने की इच्छुक रहेंगी तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगी।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगी। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगी। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगी।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगी-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगी। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगी। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपनी भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगी। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर अपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकती है।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगी कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य महिला की तरह भरण पोषण करती हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगी।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगी।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकती है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

परन्तु आपको सोमवार एवं शनिवार के प्रति सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।